भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 753
13 दिसंबर, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

झारखंड और बिहार में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

753: श्री खीरू महतोः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) झारखंड और बिहार में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) इस बजट में सरकार ने इस मिशन के तहत इन राज्यों को कितनी-कितनी धनराशि आवंटित की है;
(ग) क्या सरकार झारखंड और बिहार की विशेष परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए इस बजट को बढ़ाने का विचार रखती है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में इसके दो उप-मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम) शामिल हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर, सार्वजनिक स्वास्थ्य परिचर्या प्रणाली को मजबूत करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। भारत सरकार मानदंडों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार रिकॉर्ड ऑफ प्रोसीडिंग्स (आरओपी) के रूप में प्रस्तावों के लिए अनुमोदन प्रदान करती है।

एनएचएम के तहत प्रदान की जाने वाली सहायता में अनुबंध के आधार पर स्वास्थ्य मानव संसाधन की नियुक्ति, राष्ट्रीय एम्बुलेंस सेवाओं, मोबाइल चिकित्सा इकाइयों, आशाकर्मियों, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मौजूदा उप स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 1,50,000 आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एबी-एचडब्ल्यूसी) के रूप में परिवर्तित करने, 24x7 सेवाओं और प्रथम रेफरल सुविधाओं, मेरा अस्पताल, कायाकल्प पुरस्कार योजना, प्रधान मंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक कार्यान्वयन और संबंधित गतिविधियों, लक्ष्य प्रमाणन, बायोमेडिकल उपकरण रखरखाव और प्रबंधन कार्यक्रम, निःशुल्क नैदानिक सेवा पहल और निःशुल्क दवा सेवा पहल के लिए सहायता शामिल है।

इसके अलावा, मिशन परिवार विकास, किशोरों के अनुकूल स्वास्थ्य क्लीनिक (एएफएचसी), साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंट (डब्ल्यूआईएफएस), मासिक धर्म स्वच्छता योजना, सुविधा केंद्र आधारित नवजात शिशु देखभाल (एफबीएनसी), गृह आधारित नवजात शिशु देखभाल कार्यक्रम, निमोनिया को सफलतापूर्वक निष्क्रिय करने के लिए सामाजिक जागरूकता और कार्रवाई (साँस), छोटे बच्चे के लिए गृह आधारित देखभाल (एचबीवाईसी), राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), प्रारंभिक बचपन विकास (ईसीडी), व्यापक गर्भपात देखभाल (सीएसी), एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) रणनीति, पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) कार्यक्रम जैसी पहलों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए सहायता दी जाती है। सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए भी सहायता प्रदान की जाती है।

(ख) से (घ): राज्यों को संबंधित राज्य के लिए आवंटित संसाधनों के दायरे में निधियां आवंटित की जाती हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एनएचएम के तहत बिहार और झारखंड राज्य को किए गए केंद्रीय आवंटन और केंद्रीय निर्गत के बारे में विवरण निम्नानुसार है:

(करोड़ रूपये में)

राज्य	केंद्रीय आवंटन	केंद्रीय निर्गत
बिहार	1,853.57	368.19
झारखंड	853.19	264.29

टिप्पणी:

1. आवंटन मूल परिव्यय/बजट अनुमान के अनुसार है।
2. उपरोक्त निर्गत केंद्र सरकार के अनुदानों से संबंधित हैं और इनमें राज्य के हिस्से का अंशदान शामिल नहीं है। यह 30.11.2022 तक अद्यतन है, इसलिए यह अनंतिम है।

*****